Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding release of water from Madam Silli Dam in Kanker Parliamentary Constituency, Chhattisgarh-laid.

श्री मोहन मंडावी (**कांकेर**): बाँध सिंचित क्षेत्रों के कृषकों को सिंचाई के लिए बाँध से पानी कृषि के समय पर प्राप्त हो इस विषय को लेकर मेरे द्वारा निरंतर प्रयास किया जाता रहा है, लेकिन कुछ एक ऐसे माफिया हैं जो अपने कुचक्र में सफल भी होते रहे हैं । मेरे संसदीय क्षेत्र कांकेर (छतीसगढ़) में स्थित माड़मसिल्ली बाँध अंग्रेज शासन काल का एक ऐतिहासिक बाँध है । इसी प्रकार दुधावा अन्य बांधों का सिंचित क्षेत्र अर्थात् कैच मेन्ट एरिया बहुत ही विस्तारित है, जिसके सिंचित पानी से कृषक लाभान्वित होते हैं । इस बाँध को मछली माफियाओं द्वारा कथित रूप से सरकारी संरक्षण में बाँध मरम्मत का हवाला देकर पानी को बिना जरूरत के बाँध से छोड़ा जाता है इस प्रकार ये माफिया गिरोह अपने गलत मंसूबे में कामयाब भी होते रहे हैं, इस तरह से साजिश पूर्ण कार्य अनेक बाँधों में मरम्मत के नाम पर किया जाता है ।

मैं अवगत कराना चाहूँगा कि बाँध मरम्मत तो एक माध्यम होता है, इनका मुख्य उद्देश्य "मछली तस्करी कर मुनाफा कमाना है । मान्यवर गर्मी के दिनों में जब भीषण जल संकट होता है उस समय न केवल मानव समाज को बल्कि पशु-पक्षियों को भी पानी उपलब्ध नही हो पाता है यह बड़ी विडम्बना है । महोदय निवेदन करता हूँ कि बाँधों का पानी गर्मी में छोड़ा जाए जिससे कृषकों, को मवेशियों को, एवं मछुआरों को भी इसका लाभ प्राप्त हो सके ।

मैं अनुरोध करता हूँ कि माड़मसिल्ली सहित अन्य बांधों का पानी शीत-काल में बाँध मरम्मत के नाम पर न छोड़कर ग्रीष्म काल में ही पानी बाँध से छोड़ने को निर्देशित करेंगे ।